कक्षा 12 राजनीति विज्ञान

ANSWER SET–6

✦ खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ग) प्रतिरोध द्वारा युद्ध रोकना
2. (ख) बेलग्रेड सम्मेलन में
3. (ग) स्वतंत्र विदेश नीति
4. (ख) 1962
5. (ख) विशेष राज्य दर्जा/विशेष प्रावधान
6. (ख) स्वतः निलंबित हो सकता है
7. (ग) विकेंद्रीकरण
8. (ग) बहुमत पर
9. (ग) लोकसभा अध्यक्ष/सभापति को
10. (ग) 1989 के बाद
11. (ख) केंद्र–राज्य संबंधों में
12. (ग) पूर्ण
13. (ख) कई मंचों पर सहयोग
14. (ख) सेवानीवृत्त CJI
15. (ख) कार्यकाल की सुरक्षा
16. (ग) 86वें संशोधन से
17. (ख) राज्य की नीति-निर्देशक
18. (ख) केवल परामर्शात्मक
19. (ग) जनादेश
20. (ख) द्विपक्षीय रक्षा सहयोग

✦ खंड – ख : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

21. डिटरेंस सिद्धांत क्या है?

शक्ति के भय से प्रतिद्वंदी को युद्ध से रोकना।

22. क्यूबा मिसाइल संकट का एक परिणाम

अमेरिका और सोवियत संघ के बीच तनाव कम करने की पहल।

23. असममित संघवाद का अर्थ

कुछ राज्यों को विशेष संवैधानिक प्रावधान देना।

24. विकेंद्रीकरण से क्या तात्पर्य है?

शक्तियों का निचले स्तर की सरकारों को हस्तांतरण।

25. अनुच्छेद 356 कब लागू होता है?

जब राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो जाए।

26. गठबंधन राजनीति की एक विशेषता

कई दलों की संयुक्त सरकार।

27. क्षेत्रीय दलों का एक राष्ट्रीय प्रभाव

केंद्र–राज्य संबंधों को प्रभावित करना।

28. मौलिक कर्तव्य का एक उदाहरण

संविधान का सम्मान करना।

29. UNSC का एक प्रमुख कार्य

अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखना।

30. बहुपक्षीयता का अर्थ

कई देशों के साथ सहयोग की नीति।

✦ खंड – ग : लघु उत्तरीय प्रश्न (I)

31. शीत युद्ध में शक्ति-संतुलन की भूमिका

शक्ति संतुलन के माध्यम से दोनों महाशक्तियाँ एक-दूसरे को नियंत्रित करती रहीं। परमाणु हथियारों की होड़ के बावजूद प्रत्यक्ष युद्ध टला। यह प्रतिरोध नीति का आधार था।

32. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की संरचनात्मक सीमाएँ

1. सदस्य देशों में वैचारिक विविधता।
2. मजबूत संगठनात्मक ढांचे का अभाव।

33. भारतीय संघवाद में असममित प्रावधानों का महत्व

विशेष परिस्थितियों वाले राज्यों को अलग प्रावधान देकर राष्ट्रीय एकता बनाए रखना।

34. गठबंधन सरकारों में नीति-निर्माण की चुनौतियाँ

1. दलों के बीच मतभेद।
2. स्थिरता की कमी।

35. क्षेत्रीय दलों का राष्ट्रीय नीति पर प्रभाव

क्षेत्रीय मुद्दों को राष्ट्रीय एजेंडा में शामिल करना।

36. संयुक्त राष्ट्र महासभा की सीमाएँ

इसके प्रस्ताव बाध्यकारी नहीं होते और वीटो प्रणाली से प्रभावित होते हैं।

✦ खंड – घ : लघु उत्तरीय प्रश्न (II)

37. शीत युद्ध के दौरान कूटनीति और संकट प्रबंधन

शीत युद्ध में कूटनीति का महत्व बढ़ा। क्यूबा मिसाइल संकट जैसे घटनाओं में संवाद और समझौते से परमाणु युद्ध टला। हॉटलाइन की स्थापना और शस्त्र नियंत्रण समझौते हुए।

38. भारतीय संघवाद में केंद्र की प्रधानता के कारण

अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र के पास हैं। आपातकालीन प्रावधान केंद्र को अधिक अधिकार देते हैं। राज्यपाल की नियुक्ति भी केंद्र करता है।

39. गठबंधन युग में भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता

विविध प्रतिनिधित्व बढ़ा, परंतु अस्थिरता भी देखी गई। लोकतंत्र अधिक समावेशी बना।

40. संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधारों की आवश्यकता

सुरक्षा परिषद में सुधार, वीटो प्रणाली में बदलाव और विकासशील देशों को अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है।

✦ खंड – ङ : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

41. शीत युद्ध के वैचारिक, सैन्य और राजनीतिक आयाम

शीत युद्ध पूंजीवाद और साम्यवाद के बीच वैचारिक संघर्ष था। सैन्य स्तर पर हथियारों की होड़ और नाटो–वारसा संधि का गठन हुआ। राजनीतिक स्तर पर विश्व दो गुटों में विभाजित हो गया।

इसने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित किया, क्षेत्रीय युद्धों को जन्म दिया और अंततः 1991 में समाप्त हुआ।

42. भारत की समकालीन विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता

रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ है स्वतंत्र निर्णय क्षमता। भारत किसी एक गुट में शामिल हुए बिना बहुपक्षीय सहयोग करता है।

आज भारत अमेरिका, रूस, यूरोप और एशिया-प्रशांत देशों के साथ संतुलित संबंध रखता है। यह नीति भारत की वैश्विक भूमिका को मजबूत बनाती है।